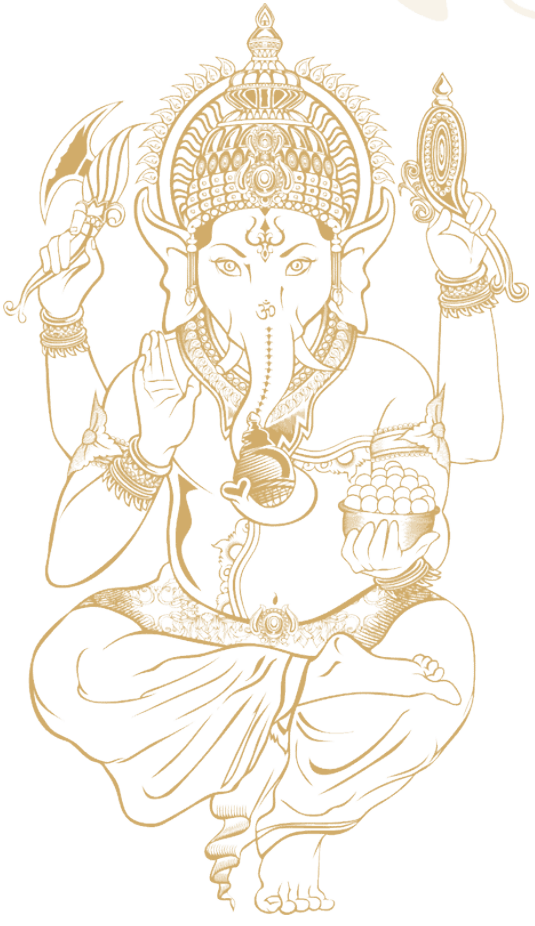

Mukesh Pachauri

23 Apr 1972

08:35 PM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121342426

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/04/1972**
दिन	रविवार
जन्म समय	**20:35:00 घंटे**
इष्ट	36:47:57 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:11:20 घंटे
वेलान्तर	00:01:41 घंटे
साम्पातिक काल	10:18:20 घंटे
सूर्योदय	05:51:49 घंटे
सूर्यास्त	18:52:39 घंटे
दिनमान	13:00:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	10:04:45 मेष
लग्न के अंश	02:52:52 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वृद्धि
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मो-मोहन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	02:52:52	308:37:59	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			मेष	10:04:45	00:58:26	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	उच्च राशि
चंद्र			सिंह	16:06:07	12:13:45	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
मंगल			वृष	24:21:06	00:38:45	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	सम राशि
बुध			मीन	13:46:39	00:42:34	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	नीच राशि
गुरु			धनु	14:50:47	00:00:16	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			वृष	24:46:56	00:49:39	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	स्वराशि
शनि			वृष	11:44:20	00:07:02	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	मित्र राशि
राहु	व		मक	07:08:55	00:05:12	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	07:08:55	00:05:12	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष	व		कन्या	22:04:27	00:02:25	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	---
नेप	व		वृश्चि	11:12:37	00:01:19	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
प्लूटो	व		कन्या	06:22:58	00:01:18	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			सिंह	09:08:52	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:28:27

लग्न-चलित

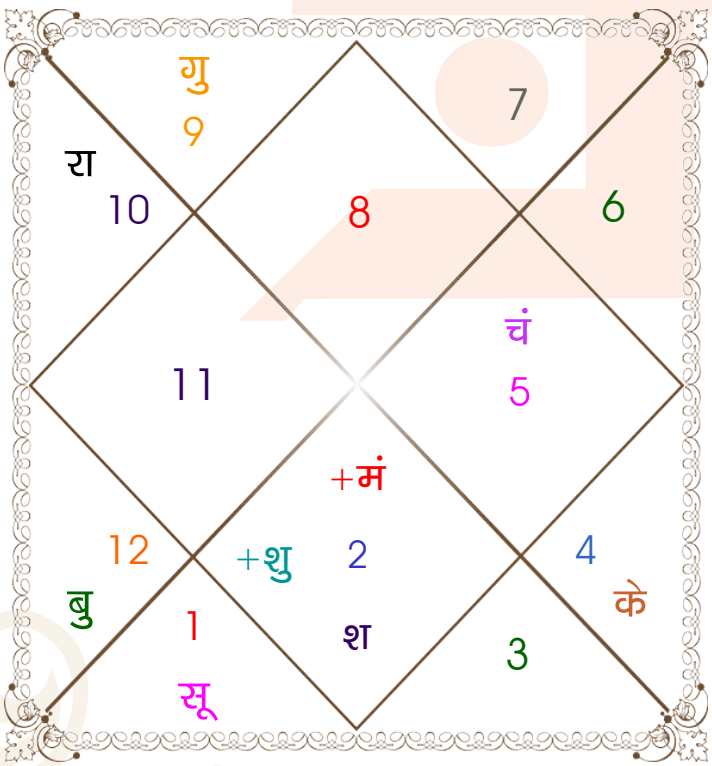

चन्द्र कुंडली

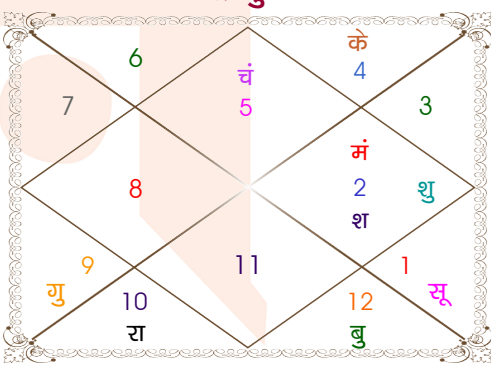

नवमांश कुंडली

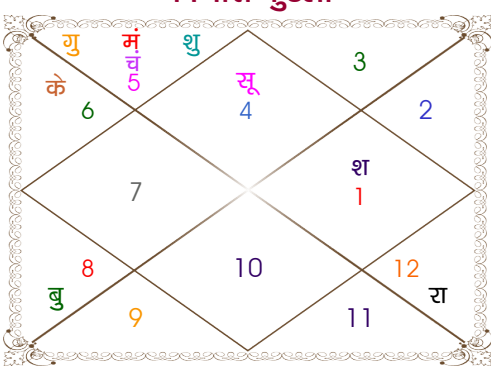

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 15 वर्ष 10 मास 5 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
23/04/1972		27/02/1988		27/02/1994		27/02/2004		27/02/2011	
27/02/1988		27/02/1994		27/02/2004		27/02/2011		27/02/2029	
	23/04/1972	सूर्य	16/06/1988	चंद्र	28/12/1994	मंगल	26/07/2004	राहु	09/11/2013
सूर्य	28/06/1972	चंद्र	16/12/1988	मंगल	29/07/1995	राहु	13/08/2005	गुरु	04/04/2016
चंद्र	27/02/1974	मंगल	23/04/1989	राहु	27/01/1997	गुरु	20/07/2006	शनि	09/02/2019
मंगल	29/04/1975	राहु	17/03/1990	गुरु	29/05/1998	शनि	29/08/2007	बुध	28/08/2021
राहु	29/04/1978	गुरु	03/01/1991	शनि	29/12/1999	बुध	25/08/2008	केतु	16/09/2022
गुरु	28/12/1980	शनि	16/12/1991	बुध	29/05/2001	केतु	21/01/2009	शुक्र	16/09/2025
शनि	27/02/1984	बुध	22/10/1992	केतु	28/12/2001	शुक्र	23/03/2010	सूर्य	10/08/2026
बुध	28/12/1986	केतु	27/02/1993	शुक्र	29/08/2003	सूर्य	29/07/2010	चंद्र	09/02/2028
केतु	27/02/1988	शुक्र	27/02/1994	सूर्य	27/02/2004	चंद्र	27/02/2011	मंगल	27/02/2029

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
27/02/2029		27/02/2045		27/02/2064		27/02/2081		27/02/2088	
27/02/2045		27/02/2064		27/02/2081		27/02/2088		00/00/0000	
गुरु	17/04/2031	शनि	02/03/2048	बुध	26/07/2066	केतु	26/07/2081	शुक्र	29/06/2091
शनि	28/10/2033	बुध	10/11/2050	केतु	23/07/2067	शुक्र	25/09/2082	सूर्य	23/04/2092
बुध	03/02/2036	केतु	19/12/2051	शुक्र	23/05/2070	सूर्य	31/01/2083		00/00/0000
केतु	09/01/2037	शुक्र	18/02/2055	सूर्य	30/03/2071	चंद्र	01/09/2083		00/00/0000
शुक्र	10/09/2039	सूर्य	31/01/2056	चंद्र	28/08/2072	मंगल	28/01/2084		00/00/0000
सूर्य	28/06/2040	चंद्र	31/08/2057	मंगल	25/08/2073	राहु	15/02/2085		00/00/0000
चंद्र	28/10/2041	मंगल	10/10/2058	राहु	14/03/2076	गुरु	21/01/2086		00/00/0000
मंगल	04/10/2042	राहु	16/08/2061	गुरु	20/06/2078	शनि	02/03/2087		00/00/0000
राहु	27/02/2045	गुरु	27/02/2064	शनि	27/02/2081	बुध	27/02/2088		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 15 वर्ष 10 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।